

-:: माँ ::-

संपूर्ण सृष्टि जिसके आशीर्वाद की अनन्य कृपा एवं शक्ति से संचालित हो रही है। उसी आदिशक्ति को माँ स्वरूप में पुकारा गया है। जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि माताजी की अपने ऊपर संपूर्ण दृष्टि एवं उनकी असीम कृपा को पाकर कोई भी मनुष्य अपने संपूर्ण जीवन की समस्त परेशानियों एवं बाधाओं से मुक्ति पा सकता है। सिर्फ जरूरत है उस ममतामयी माताजी के चरणों में अपने सर्वस्व के समर्पण की। इस कृपा को प्राप्त करने हेतु नवरात्रि में निम्न तरीकों से पूजा-आराधना करके आप माताजी का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिये आवश्यक मंत्र है।

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै- नमस्तस्यै-नमस्तस्यै नमोः नमः॥

1. इस मंत्र को प्रतिदिन कम से कम 9 बार अवश्य पढ़ना है।
2. सर्वप्रथम माताजी की स्थापना सुपारी, श्रीफल रखकर चावल चढ़ाकर करना है।
3. स्थापना के वक्त, पूजा के दौरान प्रतिदिन घी का दीपक लगाना चाहिए।
 - अ) घी का प्रकार :- गाय का या भैंस का
 - ब) समयावधि :- कम से कम 3-4 घण्टें
 - स) समयावधि :- अखण्ड दीपक तेल का, संपूर्ण नौ दिन तक
 - द) अन्य :- किसी मंदिर में तेल अथवा घी देकर भी अखण्ड ज्योति लगाई जा सकती है
4. प्रयास करें कि प्रतिदिन कम से कम नौ मिनिट मौन का संकल्प लेंगे।
5. संपूर्ण प्रक्रिया आरंभ करने हेतु किसी भी माताजी के मंदिर में श्रीफल चढ़ाकर अनुमति एवं आशीर्वाद ले लेवे।
6. जो लोग किसी वजह से स्थापना एवं अखण्ड ज्योति इत्यादि नहीं लगा सकते हैं, वो निम्न प्रक्रिया भी माताजी के आशीर्वाद को पाने के लिए कर सकते हैं।
7. इस प्रक्रिया को श्रीफल रखकर संकल्प करके ही शुरू करें।
8. प्रतिदिन कुछ निर्देशित सामग्री सामने दिये हुए संकल्पानुसार संकल्प करके माताजी के मंदिर में चढ़ाना है।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji

क्र.	तिथि	सामग्री	मात्रा
1	एकम	सुपारी	1 नग
2	दूज	लौंग एवं इलायची	श्रद्धानुसार
3	तीज	तीन तरह के फल (खट्टे न हो)	3 नग
4	चतुर्थी	गुड़	श्रद्धानुसार
5	पंचम	पंचमेवा	श्रद्धानुसार
6	छठ	छह फूल	
7	सप्तमी	सप्तधान्य	श्रद्धानुसार
8	अष्टमी	खीर या काली उड़द	श्रद्धानुसार
9	नवमी	हलवा या मिश्री	श्रद्धानुसार
10	दशमी	श्रीफल	नग

9. उपरोक्त प्रक्रिया करने से दुर्गासप्तशती के पाठ या नवचण्डी यज्ञ या शक्ति स्थापना के समान आशीर्वाद प्राप्त होता है। जो लोग किसी कार्य या संकल्प विशेष हेतु प्रक्रिया कर रहे हैं, कृपया वे मंदिर का प्रसाद यथासंभव ग्रहण नहीं करें।
10. संपूर्ण प्रक्रिया होने पर अंतिम दिन गलती के लिए क्षमा एवं आशीर्वाद अवश्य मांगें।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji